पांच साल में दो गुना बढ़े मेडिकल कॉलेज

स्थापना दिवस

- केजीएमयू का 117वां स्थापना दिवस में मेधावियों का सम्मान
- पहले 17 मेडिकल कॉलेज थे, 18 निर्माणाधीन हैं इस समय

लखनऊ | संवाददाता

प्रदेश में पांच साल पहले तक सिर्फ 17 मेडिकल कॉलेज थे, जो अब बढ़कर 33 हो गए हैं। इससे मरीजों को नजदीक इलाज मिलने में सहूलियत मिली है। साथ ही नए डॉक्टर भी तैयार हो रहे हैं। मेडिकल कालेज बढ़ने से एमबीबीएस के साथ पीजी की सीटें दोगुनी हो गईं। 18 मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। दो साल के भीतर यह भी क्रियाशील हो जाएंगे। ये बातें रविवार को केजीएमयू के 117 वें स्थापना दिवस पर प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं शिक्षा आलोक कुमार ने कहीं। प्रमुख सचिव ने कहा कि युवा डॉक्टरों में नेतृत्व की कमी है। ऐसे में केजीएमयू समेत दूसरे संस्थानों को चाहिए कि वह युवाओं को प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी दें।

आलोक कुमार ने कोरोना की पहली व दूसरी लहर में सराहनीय और उत्कृष्ट काम करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया। साथ ही मेधावियों को मेडल दिए गए।उन्होंने कहा कि केजीएमयू को चाहिए कि यहां के डॉक्टर जिला अस्पताल और सीएचसी के डॉक्टरों को इलाज का प्रशिक्षण दें। जो इलाज जिले स्तर पर सम्भव है, ऐसे मरीजों को केजीएमयू व अन्य संस्थानों में भेजने की जरूरत नहीं है। केजीएमयू में मरीजों का दबाव कम होगा।

केजीएमयू में रविवार को स्थापना दिवस पर मेधावियों को प्रशस्ति पत्र और मेडल दिया गया।

सैकड़ों कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र सौंपे गए

केजीएमयू में पहली बार 2100 कर्मचारियों का सम्मान किया गया। कोरोना में बेहतर काम करने के लिए केजीएमयू के 2100 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें केजीएमयू कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष प्रदीप गंगवार व महामंत्री राजन समेत उपाध्यक्ष प्रिया यादव व अतुल उपाध्याय को कर्मचारियों के प्रशस्ति पत्र सौंपे गए। अब कर्मचारी परिषद सभी कर्मचारियों में इसे वितरित करेगा।

55 बचे हुए मेधावियों को मेडल दिए गए

स्थापना दिवस पर 55 मेधावियों को मेडल से सम्मानित किया गया। मेधावी ज्यादा होने के कारण आधे मेधावियों को ही दीक्षांत में मेडल दिये गए थे। बचे 55 मेधावी रविवार को स्थापना दिवस में सम्मानित किये गए। इसमें अनन्या त्रिपाठी को सबसे ज्यादा तीन गोल्ड और दो सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया।

ओपीडी में रोज 10 हजार से ज्यादा मरीज देखे जा रहे

केजीएमयू वीसी डॉ. बिपिन पुरी ने कहा कि केजीएमयू में एमबीबीएस छात्रों का पहले बैच अक्टूबर 1911 में 31 छात्रों का दाखिला हुआ था। अब तक तीस हजार से अधिक डॉक्टर यहां से पढ़ाई कर देश विदेश में सेवाएं दे रहे हैं। यहां 4000 से अधिक बेड क्रियाशील है। सामान्य दिनों की ओपीडी में रोज करीब 10 हजार नए मरीज देखे जा रहे थे।